Hindi

अंक - ५० **ALLIUM** समय -१½घंटे

कृतियाँ पत्रिका के लिए सूचनाएँ

१) सुचना के अनुसार .गद्य पद्य तथा पूरक पठन की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करे।
३) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना है।
४) व्याकरण व रचना विभाग में पूछी गई कृतियों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

गद्य विभाग

प्र.१ अ निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (०८)

आटे के दीपक कंपाउंड की मुंडेर पर जलकर सुबह तक बुझ गए थे। उषा जॉगिंग के लिए फ्लैट से नीचे उतरी तो उसने देखा पूरा कंपाउंड पटाखों के कचरे से भरा हुआ था। उसने देखा, सफाई करने वाला बबन उन दीपों को कचरे के डिब्बे में न डाल अपनी जेब में रख रहा था। कृशकाय बबन कंपाउंड में झाड़ू लगाते हुए हर रोज उसे सलाम करता था। ''तुमने दीपक जेब में क्यों रख लिए ?'' उषा ने पूछा। ''घर जाकर अच्छे से सेंककर खा लेंगे, अन्न देवता हैं न।'' बबन ने खीसे निपोरे।

उषा की आँखें विस्मय से भर उठीं। तमाम दावतों में भरी प्लेटों में से जरा-सा टूँगने वाले मेहमान और कचरे के डिब्बे के हवाले प्लेटों का अंबार उसकी आँखों में सैलाब बनकर उमड़ आया। वह दौड़ती हुई घर गई। जल्दी-जल्दी पकवानों से थैली भरी और दौड़ती हुई एक साँस में सीढ़ियाँ उतर गई........ अब वह थी और बबन की काँपती हथेलियों पर पकवान की थैली। उषा की आँखों में हजारों दीप जल उठे और पकवानों की थैली देख बबन की आँखों में खुशी के आँसू छलक आए।

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०४)

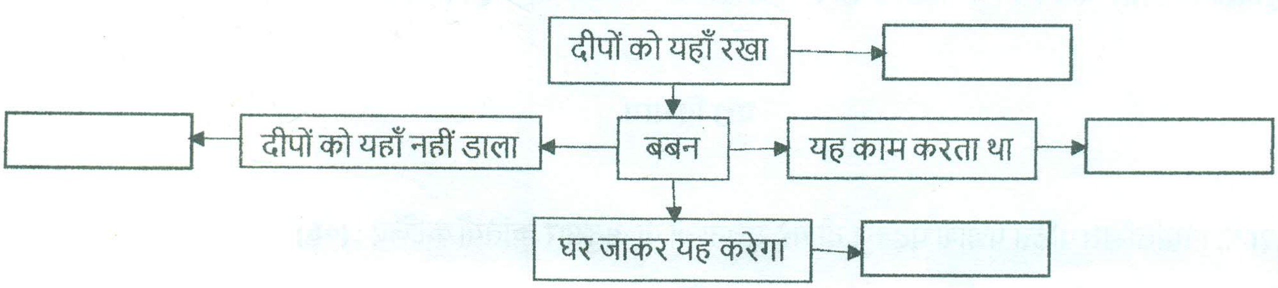

(२) उत्तर लिखिए : (२)

i) उषा की आँखों के सामने दावतों में दिखाई देने वाला यह दृश्य आया ___________
उत्तर:
ii) उषा ने बबन को यह दे दी ___________
उत्तर:

३) 'शादी में अन्न की बरबादी' इस पर अपने विचार लिखिए। (०२)

आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(०८)**

इधर मैं कई दिनों से बड़ा परेशान चल रहा हूँ। सब मेरा भला करना चाहते हैं। अखबार पढ़ने बैठता हूँ तो समाचार पढ़ने से पहले ढेर सारे कागज साथ में आ जाते हैं। कोई कहता है आपके द्वार पर आकर बैठे हैं। सभी तरह के इलाज के लिए क्लीनिक खोल दिया है। आप मोटे हैं तो पतला कर देंगे। पागल हैं तो ठीक कर देंगे। क्लीनिक से हर स्लिमिंग सेंटरवाला कह रहा है, 'बस ! आप आ जाएँ, बाकी सब हम पर छोड़ दें। हलवाई की दुकानवाला कह रहा है, 'ऐसी मिठाई आपने कभी न खाई होगी। मीठा खाएँ पर मीठे का असर न हो', ऐसी चीनी का इस्तेमाल करते हैं वे।

क्रेडिट कार्डवाला फ्री डेबिट कार्ड दे रहा है। पैसे खर्च करने या नकद खर्च की कोई जरूरत पहले नहीं है। आप बेवजह पैसे के पीछे दौड़ रहे हैं। हम सामान आपके घर लाना चाहते हैं, आप बस माल खरीदें ! गाड़ीवाला नई गाड़ी के कागज दिए जा रहा है। साथ में लोन देने वाला बैंक के कागज भी दिए जा रहा है। अखबार के साथ पैंफलेट इतने ज्यादा हैं कि उन्हें पढ़ने बैठ जाओ तो अखबार पढ़ने के लिए वक्त नहीं बचेगा।

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०४)

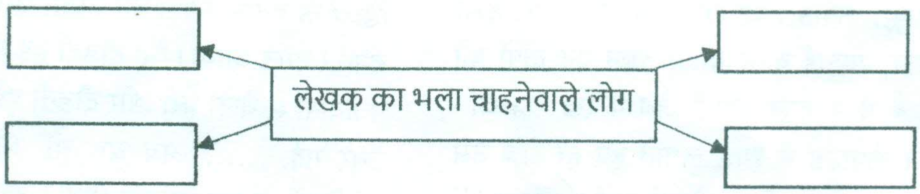

(२) विलोम शब्द (opposite words) लिखिए। (०२)

i) भला X ___________ ii) मोटा X ___________

iii) नकद X ___________ iv) मीठा X ___________

(३) विज्ञापन हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। इस पर अपने विचार लिखिए। (०२)

पद्य विभाग

प्र.२(अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(०६)**

माँ मेरी बे-वजह ही रोटी है
फोन पर जब भी बात होती है
फोन रखने पर मैं भी रोटा हूँ।

सख्त ऊपर से मगर दिल से बहुत नाजुक हैं
चोट लगती है मुझे और वह तड़प उठते हैं
हर पिता में ही कोई माँ भी छुपी होती है।

मेरे ऑफिस में महीनों से मेरी दिन की शिफ्ट
तेरे ऑफिस में महीनों से तेरी पैट की शिफ्ट
नन्हे बच्चों को तो टुकड़ों में मिले हैं माँ-बाप

उगते सूरज को सलामी तो सभी देते हैं
डूबते वक्त मगर उसको भुला मत देना
डूबना-उगना तो नजरों का महज धोखा है।

चलते-चलते जो कभी गिर जाओ
खुद को सँभालो और फिर से चलो
चोट खाकर ही सिख मिलती है।

(१) आकृति पूर्ण कीजिए। (०४)

i) इसमें माँ छिपी होती है - ______
ii) नजरों का धोखा है - ______
iii) इसे सभी सलाम करते है - ______
iv) इससे ही सीख मिलती है - ______

(२) पर्यायवाची शब्द लिखिए। (०२)

i) माँ - ____________ ii) सूरज - ____________

(आ)पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(०४)**

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना!
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना!
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंज़िल का छोर,
इस जनमंथन से उठ आई
पहली रत्न हिलोर,
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर,
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर,
ले युग की पतवार
बने अबुधि महान रहना,
पहरुए, सावधान रहना!

(१) संचाल पूर्ण कीजिए :- (०४)

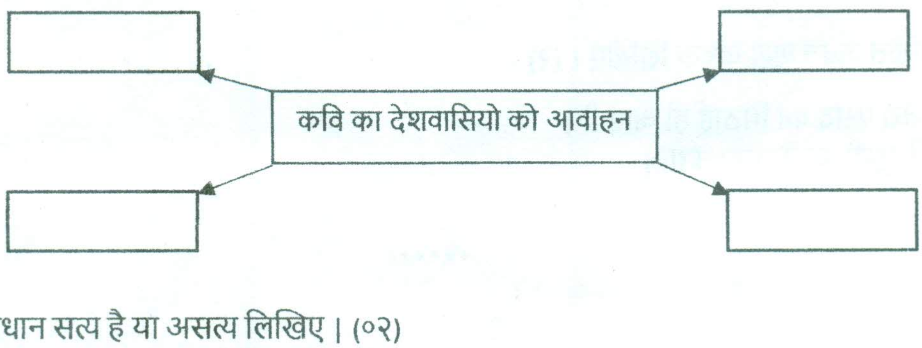

(२) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए। (०२)

i) इस जनमंथन से उठ आई है पहली रतन हिलोर। ______
ii) नए स्वर्ग का अंतिम चरण। ______

व्यावहारिक हिंदी

प्र.३(अ) निम्नलिखित प्रश्नो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए |**(०५)**

i) मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी भाषा के माध्यम से रोजगार की सम्भावनाएँ लिखिए |

या (or)

ii) रेडियो और टेलिविजन के लिए समाचार प्राप्त करने के साधन लिखिए |

आ) i) मोहन शिंदे/मोहिनी शिंदे ५३ लक्ष्मी रोड औरंगाबाद से हिंदी शिक्षक पद की नौकरी पाने के लिए, प्रधानाचार्य, स्वामी विवेकानंद कनिष्ठ महाविद्यालय औरंगाबाद ४३१००७ को पत्र लिखता है/लिखती है | **(५)**

या (or)

ii) अपने कनिष्ठ महाविद्यालय में मनाए गए 'हिंदी दिवस' के समारोह का अपने शब्दों में वृत्तांत लिखिए |

व्याकरण

प्र.४(अ) (१) निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में सूचित काल में परिवर्तित कीजिए | **(०६)**

i) घर पकवान के खुशबू से तरबतर था | (सामान्य भविष्यकाल)
ii) उषा की आँखे विस्मय से भर उठी | (पूर्ण भूतकाल)
iii) वह इनके अपनी पढाई कर लेना | (अपूर्ण वर्तमानकाल)
iv) क्रेडिट कार्डवाला विवरण भेज रहा है | (सामान्य वर्तमानकाल)
v) टिकट के साथ खाने का सामान शामिल कर लिया जाता है | (पूर्ण वर्तमान काल)
vi) समाचार चैनल खबरों के नाम पर डरा रहे है | (सामान्य भूतकाल)

(२) निम्नलिलखित मुहावरों में से किन्हीं दो मुहावरों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों प्रयोग कीजिए | **(०४)**

i) अपने पैरो पर खड़ा होना ii) आँखे फटी रहना
iii) टस से मस न होना iv) कलई खुलना v) फुट-फुट कर रोना |

(३) निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए | (२)

i) तेरे लिए तेरा पसंद का मिठाई ही आएगी |
ii) बबलू की ख़ुशी का ठेकाना न था |

******